करियर शीट · CAREER SHEET

Platoon Commander (Home Guards, Rajasthan)

सबसे पहले यह स्पष्ट कर लें कि यह कौन-सा पद है। राजस्थान में "प्लाटून कमांडर" नाम के दो अलग पद हैं — एक राजस्थान सशस्त्र बल (आर.ए.सी.) का, जो राजस्थान लोक सेवा आयोग की संयुक्त उप निरीक्षक परीक्षा से भरा जाता है; और दूसरा यह, गृह...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-platoon-commander

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

सबसे पहले यह स्पष्ट कर लें कि यह कौन-सा पद है। राजस्थान में "प्लाटून कमांडर" नाम के दो अलग पद हैं — एक राजस्थान सशस्त्र बल (आर.ए.सी.) का, जो राजस्थान लोक सेवा आयोग की संयुक्त उप निरीक्षक परीक्षा से भरा जाता है; और दूसरा यह, गृह रक्षा (होम गार्ड्स) का, जिसकी भर्ती राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड सी.ई.टी. स्नातक स्तर के रास्ते करती है। यह पृष्ठ दूसरे वाले का है। गृह रक्षा का प्लाटून कमांडर होमगार्ड स्वयंसेवकों की एक प्लाटून का नेतृत्व करता है — उनका प्रशिक्षण, ड्यूटी-व्यवस्था और अनुशासन उसी की ज़िम्मेदारी है। होमगार्ड चुनाव, मेले, त्योहार, यातायात व्यवस्था और आपदा राहत में तैनात होते हैं, इसलिए यह काम पुलिस और नागरिक प्रशासन दोनों के साथ चलता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	किसी भी विषय में स्नातक अथवा समकक्ष; अथवा नायब सूबेदार व उससे ऊपर के रैंक से विधिवत सेवामुक्त भूतपूर्व सैनिक + सी.ई.टी. स्नातक स्तर
भर्ती संस्था	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आर.एस.एस.बी.), जयपुर
आयु-सीमा	20 वर्ष पूर्ण तथा 25 वर्ष से कम — कार्मिक विभाग के पढ़े गए संवर्गों में सबसे संकरी खिड़की — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर आधिकारिक रूप से पुष्ट नहीं — विज्ञप्ति देखें
माँग	50% पद सीधी भर्ती से, 50% हेड कांस्टेबल से पदोन्नति द्वारा

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- वर्दी, अनुशासन एवं नेतृत्व वाले काम में रुचि
- आपदा राहत एवं जनसेवा में भागीदारी
- दूसरों को प्रशिक्षित करना एवं दल का संचालन

क्षमताएँ

- शारीरिक फिटनेस एवं सहनशक्ति
- भीड़ एवं दबाव की स्थिति में शांत नेतृत्व

- स्पष्ट निर्देश देना और अनुशासन बनाए रखना

ज़रूरी कौशल

- प्लाटून की ड्यूटी-व्यवस्था, उपस्थिति एवं अभिलेख
- भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था में सहयोग
- नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफ़ेंस) की प्रक्रियाएँ
- प्राथमिक चिकित्सा एवं बचाव उपकरणों का उपयोग
- होमगार्ड स्वयंसेवकों का ड्रिल एवं मूलभूत प्रशिक्षण
- आपदा प्रतिक्रिया — बाढ़, अग्निकांड एवं राहत शिविर
- पुलिस, ज़िला प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन से समन्वय

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 किसी भी संकाय से उत्तीर्ण करें।
2. किसी भी विषय में स्नातक पूरा करें। आयु का हिसाब साथ-साथ रखें — इस पद की खिड़की 20 से 25 वर्ष की है, यानी स्नातक पूरा होते ही आवेदन शुरू करना पड़ता है।
3. भूतपूर्व सैनिकों के लिए अलग रास्ता है — नायब सूबेदार अथवा उससे ऊपर के रैंक से विधिवत सेवामुक्त भूतपूर्व सैनिक स्नातक न होने पर भी पात्र हैं। इन 21 पदों में यह इकलौता ऐसा रास्ता है।
4. शारीरिक तैयारी करें — दौड़ एवं सामान्य फिटनेस का अभ्यास स्नातक के दौरान ही शुरू कर दें।
5. आर.एस.एस.बी. की सी.ई.टी. स्नातक स्तर परीक्षा उत्तीर्ण करें; अंक 3 वर्ष तक मान्य रहते हैं।
6. विज्ञप्ति आने पर ऑनलाइन आवेदन करें, परीक्षा एवं शारीरिक चरण पूरे करें और गृह रक्षा में नियुक्ति लें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- सी.ई.टी. स्नातक स्तर (आर.एस.एस.बी.) — सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची-I में गृह रक्षा अधीनस्थ सेवा के प्लाटून कमांडर का नाम दर्ज है। अंक 3 वर्ष तक मान्य।
- प्लाटून कमांडर मुख्य परीक्षा — बोर्ड द्वारा संचालित। अंक-योजना, अवधि एवं पाठ्यक्रम उसी चक्र की विज्ञप्ति में प्रकाशित होते हैं।

- शारीरिक चरण — इस वर्दीधारी पद पर शारीरिक मानक एवं दक्षता परीक्षा लागू होती है, जिसका विवरण विज्ञप्ति में दिया जाता है। कार्मिक विभाग के जिन नियमों से यह पृष्ठ बना है, उनसे इस पद के सटीक माप नहीं पढ़े जा सके, इसलिए यहाँ कोई आँकड़ा नहीं लिखा गया — विज्ञप्ति ही देखें।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government colleges of Rajasthan — graduation in any faculty — हर ज़िले में (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- District sports stadiums and school grounds — free physical preparation — ज़िला मुख्यालय एवं ब्लॉक
- Home Guards and Civil Defence, Rajasthan — the organisation itself — जयपुर एवं ज़िला इकाइयाँ (https://home.rajasthan.gov.in/)

ऑनलाइन

- गृह विभाग, राजस्थान — गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा — इस पद का विभाग (https://home.rajasthan.gov.in/)
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण — निःशुल्क आपदा प्रतिक्रिया सामग्री — काम की प्रकृति समझने के लिए (https://ndma.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)

- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

सरकारी महाविद्यालय से स्नातक की फीस लगभग ₹3,000 – ₹15,000 प्रति वर्ष है। सी.ई.टी. एवं मुख्य परीक्षा का शुल्क कुछ सौ रुपये है, आरक्षित वर्गों को छूट मिलती है। शारीरिक तैयारी पर कोई खर्च नहीं आता। भूतपूर्व सैनिकों के लिए यह पद बिना किसी अतिरिक्त पढ़ाई के खुला है, इसलिए सेना से लौटे व्यक्ति के लिए इसकी लागत लगभग शून्य है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

ज़िला गृह रक्षा कार्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र, तथा वहाँ-वहाँ जहाँ होमगार्ड तैनात होते हैं — चुनाव, मेले, त्योहार, धार्मिक आयोजन, यातायात चौराहे, बाढ़ एवं आपदा राहत शिविर तथा पुलिस के साथ सहायक ड्यूटी।

कार्य-संस्कृति

यह वर्दीधारी और अनुशासित सेवा है, जिसमें ड्यूटी घटनाओं पर चलती है, घड़ी पर नहीं। चुनाव, मेलों और त्योहारों के समय लगातार कई दिन ड्यूटी लग सकती है, और बाढ़ या आपदा में तुरंत निकलना पड़ता है। नेतृत्व का हिस्सा सबसे बड़ा है — आपके नीचे होमगार्ड स्वयंसेवक होते हैं, जो पूर्णकालिक कर्मचारी नहीं हैं, इसलिए उन्हें आदेश से कम और प्रेरणा से अधिक चलाना पड़ता है। भूतपूर्व सैनिकों की संख्या इस संवर्ग में अच्छी रहती है, जिससे वातावरण में सैन्य अनुशासन की छाप बनी रहती है।

कौन नौकरी देता है

- गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा, राजस्थान सरकार
- राजस्थान पुलिस — सहायक ड्यूटी में तैनाती
- निर्वाचन ड्यूटी एवं ज़िला प्रशासन
- ज़िला गृह रक्षा इकाइयाँ एवं प्रशिक्षण केंद्र
- राज्य आपदा प्रबंधन एवं राहत विभाग
- नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफ़ेंस) इकाइयाँ

माँग (2026)

गृह रक्षा का ढाँचा प्रदेश के हर ज़िले में है और होमगार्ड स्वयंसेवकों की तैनाती चुनाव, मेलों, त्योहारों तथा आपदा में लगातार होती रहती है, इसलिए प्लाटून कमांडर के पद बने रहते हैं। सेवा नियमों के अनुसार 50% पद सीधी भर्ती से और 50% हेड कांस्टेबल से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं — यानी बाहर से आने वाले अभ्यर्थी के लिए संवर्ग का आधा हिस्सा खुला है। यह संवर्ग बड़ा नहीं है और यह पद सी.ई.टी. की अनुसूची में शामिल होने के बाद ही इस परियोजना की सूची में आया, इसलिए भर्ती बार-बार नहीं निकलती। असली बाधा फिर आयु है: 20 से 25 की खिड़की का अर्थ है कि स्नातक पूरा करने के बाद प्रायः तीन-चार प्रयास ही बचते हैं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. प्लाटून कमांडर (परिवीक्षाधीन) — ज़िला गृह रक्षा इकाई में नियुक्ति
2. कंपनी कमांडर — 100% पदोन्नति से, प्लाटून कमांडर के अनुभव पर
3. ज़िला कमांडेंट स्तर के पर्यवेक्षी पद
4. गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा संगठन में वरिष्ठ पद, पदोन्नति के माध्यम से

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹38,000 – ₹48,000 (भत्तों सहित, कंपनी कमांडर स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹55,000 से अधिक (भत्तों सहित, वरिष्ठ पदों पर)

एक अंतर स्पष्ट रखें — प्लाटून कमांडर राज्य सरकार का नियमित वेतनभोगी कर्मचारी होता है, जबकि उसके अधीन काम करने वाले होमगार्ड स्वयंसेवकों को ड्यूटी के दिनों का नियत भत्ता मिलता है, नियमित वेतन नहीं। दोनों को एक समझ लेना इस पद के बारे में सबसे आम भ्रम है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- किसी भी विषय से स्नातक पात्र, और भूतपूर्व सैनिकों के लिए बिना डिग्री का रास्ता भी
- वर्दीधारी नेतृत्व का पद, जिसमें कंपनी कमांडर तक पदोन्नति का रास्ता है
- आपदा राहत एवं जनसेवा से सीधे जुड़ा काम

चुनौतियाँ

- आयु-सीमा केवल 20 से 25 वर्ष — कार्मिक विभाग के पढ़े गए संवर्गों में सबसे संकरी
- संवर्ग छोटा है और भर्ती बार-बार नहीं निकलती
- ड्यूटी घटनाओं पर चलती है — चुनाव, मेले एवं आपदा में लगातार कई दिन

9 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- उप जेलर (कारागार विभाग, राजस्थान)
- वाहन चालक — राजस्थान मोटर गैराज अधीनस्थ सेवा
- संविदा सफाई कर्मचारी — नगरीय निकाय, राजस्थान

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान गृह रक्षा अधीनस्थ सेवा नियम, 2021 (कार्मिक विभाग) — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/20230213053028825606533mergehomeguard2021.pdf

2. सी.ई.टी. नियम 2022 — अनुसूची-I में प्लाटून कमांडर (गृह रक्षा) — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/2023071803321358017147CET-18-7-2023_merged.pdf

3. गृह विभाग, राजस्थान सरकार — https://home.rajasthan.gov.in/

4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

5. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

6. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in